श्री वैष्णो देवी जी की आरती

जय वैष्णवी माता मैया जय वैष्णवी माता ।
द्वार तुम्हारे जो भी आता बिन माँगे सबकुछ पा जाता || जय .... || १ ||

तू चाहे जो कुछ भी कर दे तू चाहे तो जीवन दे दे ।
राजा रंग बने तेरे चेले चाहे पल में जीवन ले ले || जय .... || २ ||

मौत जिंदगी हाथ में तेरे मैया तू है लाटां वाली ।
निर्धन को धनवान बना दे मैया तू है शेरा वाली || जय .... || ३ ||

पापी हो या हो पुजारी राजा हो या रंक भिखारी ।
मैया तू है जोता वाली भवसागर से तारण हारी || जय .... || ४ ||

तू ने नाता जोड़ा सबसे जिस-जिस ने जब तुझे पुकारा ।
शुद्ध हृदय से जिसने ध्याया दिया तुमने सबको सहारा || जय .... || ५ ||

मैं मूरख अज्ञान अनारी तू जगदम्बे सबको प्यारी ।
मन इच्छा सिद्ध करने वाली अब है ब्रज मोहन की बारी || जय .... || ६ ||

सुन मेरी देवी पर्वतवासिनी तेरा पार न पाया ।
पान सुपारी ध्वजा नारियल ले तेरी भेंट चढ़ाया || सुन मेरी .... || ७ ||

सुआ चोली तेरे अंग विराजे केसर तिलक लगाया ।
ब्रह्मा वेद पढ़े तेरे द्वारे शंकर ध्यान लगाया ।।
नंगे पांव पास तेरे अकबर सोने का छत्र चढ़ाया ।
ऊंचे पर्वत बन्या शिवाली नीचे महल बनाया || सुन मेरी .... || ८ ||

सतयुग द्वापर त्रेता मध्ये कलयुग राज बसाया ।
धूप दीप नैवेद्य आरती मोहन भोग लगाया ।
ध्यानू भक्त मैया तेरा गुणभावे, मनवांछित फल पाया || सुन मेरी .... || ९ ||

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133